मुझे रास आ गया है ...

मुझे रास आ गया है, तेरे दर पे आना - जाना ।
तुझे मिल गई पुजारिन, मुझे मिल गया ठिकाना ।।

मुझे ग़म नहीं इसका कि ये दुनिया रूठ जाये,
मेरी ज़िन्दगी के मालिक, कहीं तुम ना रूठ जाना ।।1।।

तेरी बन्दगी से पहले मुझे कौन जानता था,
जब प्यार तेरा पाया, तो ये जग हुआ हमारा ।।2।।

दुनिया की ठोकरों से आई मैं तेरे द्वारे,
मेरे मुरली वाले मोहन, अब और ना सताना ।।3।।

तेरी सांवरी सुरतिया मेरे मन में बस गई है,
अब आ भी जाओ मोहन, करके कोई बहाना ।।4।।

http://www.govindbhargav.in